उदयपुर के पूर्व राजघराने में दूसरे दिन भी विवाद जारी

सिटी पैलेस के बाहर सोमवार देर रात दोनों ओर से पत्थरबाजी हुई, तनाव की आशंका के चलते भारी पुलिस बल रहा तैनात

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ के तिलक दस्तूर के दूसरे दिन मंगलवार को भी वे अब तक धूणी दर्शन नहीं कर पाए। उन्हें सिटी पैलेस के गेट खुलने का इंतजार है। सिटी पैलेस के गेट मंगलवार को भी बंद रहे। कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जाब्ते सहित मौके पर तैनात रहे।

जानकारी के अनुसार उदयपुर राजघराने के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे और नाथद्वारा से भाजपा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ के राजतिलक और इससे जड़ी रस्मों को लेकर विवाद हुआ। राजशाही खत्म होने के बाद भी यह रस्म प्रतीकात्मक रूप से निभाई जाती है। विश्वराज सिंह राजतिलक के बाद सिटी पैलेस के अंदर धूणी के दर्शन करने जाना चाहते थे, लेकिन सिटी पैलेस में रहने वाले उनके चाचा अरविन्द सिंह मेवाड़ के परिवार ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। यहीं से पूरा विवाद शुरू हुआ। इससे पहले सोमवार देर रात उदयपुर के सिटी पैलेस परिवार के अन्य सदस्यों और विश्वराज सिंह के समर्थकों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। इसमें कई लोग घायल भी हुए। महाराणा प्रताप के वंशजों में ऐसा झगड़ा पहली बार सामने आया है। वहींए सोमवार देर रात करीब 1 बजे प्रशासन ने विवादित जगह को कुर्क कर रिसीवर की नियुक्ति कर दी। विपक्षी ट्रस्ट से पत्थरबाजी और विवादित स्थल को लेकर 27 नवंबर तक जवाब भी मांगा है।

> ■ विश्वराज सिंह राजतिलक के बाद सिटी पैलेस के अंदर धूणी के दर्शन करने जाना चाहते थे, उनके चाचा अरविन्द सिंह मेवाड़ के परिवार ने अनुमति नहीं दी

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर उदयपुर) ने विवाद की स्थिति को देखते हुए विवादित स्थल सिटी पैलेस स्थित बड़ीपोल से धूणी व जनाना महल तक जाने के रास्ते व धूणी वाले स्थान को कुर्क किया जाकर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया है। धूणी व जनाना महल तक जाने के रास्ते व धूणी वाले स्थान को कुर्क किया जाकर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया है। तिलक दस्तूर के बाद परम्परा के तहत धूणी दर्शन नहीं कर पाए विश्वराज सिंह मेवाड़ ने इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भी जिम्मेदार और कमजोर बताया है। विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कानूनी रूप से और परंपरा के तौर पर हर तरह से धूणी दर्शन करना मेरा हक है। मैं वहां सिर्फ धूणी दर्शन करने गया था, लेकिन प्रशासन की कमजोरी के कारण ऐसा नहीं हो सका। हम देर रात तक पैलेस के गेट के बाहर बैठे रहे, पैलेस के अंदर से बाहर खड़े लोगों पर पथराव हुआ, कांच की बोतलें फेंकी गयीं। पुलिसकर्मियों सहित हमारे समर्थन में आए लोग घायल हुए। जिला प्रशासन की ओर से सिटी पैलेस के मुख्य द्वारा पर नोटिस चस्पा कर घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया। अब देखना है कि प्रशासन आगे क्या कार्रवाई करता है।

मंगलवार को समोरबाग में मीडिया से बातचीत में विश्वराज सिंह ने साफ कह दिया कि मैं यदि दर्शन नहीं कर पाता हूं तो यह प्रशासन की फेलियर है। कल एक खास अवसर था इसलिए दर्शन करने जाना उचित था। पूजा स्थल पर जाने से किसी को रोक नहीं सकते। हम तो मंदिर के दर्शन कर वापस आ रहे। मेरा पूरा हक बनता की मैं वहां जाकर धोक लगू। कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि मेवाड़ के लोग गलत चीज के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। कानून हाथ में नहीं लेना है मेरी यह अपील है। बीती रात की घटना को लेकर विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि प्रशासन ने कल ढील बरती, प्रशासन के प्रयास नाकाफी रहे।

इधर कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने कहा कि ऐसे समय में प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है कि कानून व्यवस्था न बिगड़े इसके हमने सभी प्रयास किए हैं। दोनों पक्षों के पांच-पांच प्रतिनिधियों की सूची मांगी है, ताकि दोनों पक्षों में बात कराई जा सके और रास्ता निकाला जा सके। हमने कुर्क की कार्रवाई का नोटिस सिटी पैलेस गेट पर चस्पा किया है। कानूनी कार्रवाई जारी है।

इधर इस मामले में सोमवार रात में धूणी दर्शन की सहमति नहीं बनने के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ अपने निवास समोर बाग चले गए, जहां दूसरे दिन से ही मामले को लेकर समाज जनों का आना जाना लगा रहा। सोमवार रात की घटना के बाद मामला नहीं निपटने पर रिसिवर नियुक्त करने के बाद मंगलवार को मेवाड़ क्षत्रिय महासभा संस्थान के अध्यक्ष बालूसिंह कानावत के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल को ज्ञापन देकर धारा 145 जरिये सिटी पैलेस स्थित धूणी स्थल व अन्य संपत्ति अधिगृहित करने का हवाला देते हुए महाराणा मेवाड़ा विश्वराज सिंह मेवाड़ को राजतिलक की रस्म पूरी होने के बाद रिति अनुसार सिटी पैलेस स्थित धूणी दर्शन करने के पश्चात भगवान एकलिंगजी के दर्शन कराने का आग्रह किया है। बुधवार सुबह विश्वराज सिंह मेवाड एकलिंगनाथ दर्शन करने जाएंगे। इसे लेकर आईजी राजेश मीणा व जिला कलेक्टर ने चर्चा की।

विवाहिता का शव कुएं में मिला, हत्या की आशंका जताई

विवाहिता के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी

सुलताना, (निसं)। सुलताना थाना इलाके के मटाना गांव में एक विवाहिता का शव मकान के पास ही बने कुएं में मिला है। विवाहिता के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। वहीं विवाहिता के शव को फिलहाल चिड़ावा के उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पर बुधवार सुबह मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक विवाहिता।

जानकारी के मुताबिक नांद निवासी भरत सिंह की दो बेटियों ज्योति कंवर और डिम्पल कंवर की शादी एक साल पहले सात दिसंबर 2023 को मटाना निवासी वीरेंद्र निर्बाण और विराट निर्बाण के साथ हुई थी। पीहर पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ज्योति कंवर को उसके पति वीरेंद्र निर्बाण समेत सास-ससुर, काका ससुर व काकी सास द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। मंगलवार दोपहर को सभी ने मिलकर उसे कुएं में डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं कुएं में गिरने से मौत की सूचना भी पीहर पक्ष को नहीं दी। लेकिन पीहर पक्ष को किसी के द्वारा सूचना लगी तो वे मटाना पहुंचे। तब तक शव कुएं से निकालकर अस्पताल पहुंचा दिया गया था। इसके बाद पुलिस की भी सूचना आई। पीहर पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

ज्योति कंवर और वीरेंद्र निर्बाण की शादी सात दिसंबर 2023 को हुई थी। 11 दिन बाद ही उनकी शादी की पहली वर्षगांठ थी, लेकिन उससे पहले ही ज्योति की मौत हो गई। घटना के वक्त उसकी छोटी बहन डिम्पल, जो मृतक ज्योति की देवरानी भी थी, वो नांद गांव पीहर आई हुई थी।

तीन हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एंटीकरप्शन ब्यूरो कोटा की स्पेशल टीम ने कोटा विकास प्राधिकरण के पटवारी हल्का पटवार

> ■ रिश्वत की राशि प्लॉट का पट्टा बनाने की एवज में ली थी

रॉकी अरोड़ा को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। रिश्वत की ये राशि प्लॉट का पट्टा बनाने की एवज में ली थी। आरोपी पटवारी पहले दो किश्तों में 15 हजार की घूस ले चुका था।

घूस लेने का आरोपी पटवारी।

एडिशनल एसपी स्पेशल यूनिट मुकुल शर्मा ने बताया कि आरोपी रॉकी अरोड़ा, हल्का पटवार, सोगरिया स्टेशन एरिया में पोस्टेड है, जो परिवादी से प्लॉट का पट्टा बनाने के एवज में 18 हजार की रिश्वत डिमांड कर रहा था। आरोपी परिवादी से पहले 15 हजार ले चुका था। बाकी 3 हजार के लिए और दबाव बना रहा था। परिवादी की शिकायत पर सोमवार को सत्यापन करवाया। सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। जिसके बाद इंस्पेक्टर पृथ्वीराज, सब इंस्पेक्टर किशनलाल की टीम ने कोटा विकास प्राधिकरण कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। पटवारी को तीन हजार लेते रंगे हाथों पकड़ा है।

छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सेलीब्रेशन माल के चौथी मंजिल से कूदकर स्कूली छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर मंगलवार दोपहर में सुखेर थाना क्षैत्र स्थित सेलीब्रेशन माल में आए स्कूली छात्र वरड़ा नाई निवासी कृष पामेचा (17) पुत्र नारायणलाल ने चौथी मंजिल से नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली।

सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल जगदीश मेनारिया ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। कृष विद्या भवन पब्लिक स्कूल देवाली में कक्षा 11 का छात्र था। दोपहर में वह बाइक लेकर सेलीब्रेशन माल आया तथा पार्किंग में बाइक खड़ी कर माल में जाकर चौथे माले से नीचे कूद पड़ा। इसको देख वहां मौजूद लोगों ने निजी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की जेब से मिले आई कार्ड से उसकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

खनिज टीम को 6 करोड़ रुपये से अधिक के क्वार्टज का अवैध खनन मिला

खनि अभियंता चित्तौड़गढ़ के क्षेत्राधिकार में टीम ने कार्रवाई की।

उदयपुर, (कासं)। अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर जोन दीपक तंवर के निर्देशन में खान विभाग की टीम ने चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर के पारी गांव में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम द्वारा खनिज क्वार्टज का मौके पर 16-16 टन वजन के दो ब्लॉक और एक्सकवेटेड माल पकड़ा गया। इसके साथ ही किए गए खनन का आंकलन करने पर 2592 टन अवैध खनन पाया गया। खनिज क्वार्टज की कीमत लगभग 50 हजार प्रति टन बताई जा रही है। इस तरह से करीब 6 करोड़ रुपये से अधिक के क्वार्टज खनिज का अवैध खनन पाया गया है। अतिरिक्त निदेशक तंवर ने खनि अभियंता चित्तौड़गढ़ को संबंधित के खिलाफ मामला दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

अतिरिक्त निदेशक दीपक तंवर को मिली जानकारी पर संबंधित क्षेत्र से बाहर के अधिकारियों को बिना किसी पूर्व सूचना के संबंधित क्षेत्र में भेज कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत द्वारा विभिन्न समीक्षा बैठकों के दौरान अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए कार्रवाईके निर्देश दिए हुए हैं।

अतिरिक्त निदेशक टीपक तंवर ने बताया कि गुप्त स्रोत से प्राप्त जानकारी पर सहायक खनि अभियंता बिजौलिया बंशीलाल सुथार और राजसमंद फोरमैन जमुना शंकर को मय जाब्ते के बिना पूर्व जानकारी के अवैध खनन स्थल पर भेजा गया और लक्ष्मण पुत्र भगवान जाट की खातेदारी भूमिपर खनिज क्वार्टज का अवैध खनन पाया गया।

सड़क हादसे में पिता की मौत, पुत्र गंभीर घायल

मृतक के बेटे दीपु सिंह को गंभीर अवस्था में जयपुर उपचार के लिये भेजा गया।

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे के मालपुरा केकड़ी सड़क मार्ग पर इंदोली के पास मंगलवार को हुये सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, तो पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे गंभीर हालत में मालपुरा अस्पताल से जयपुर रैफर किया गया है।

मामले के अनुसार सरवाड़ थाना क्षैत्र के हिंगोनिया निवासी सुमन सिंह पुत्र भंवर सिंह मंगलवार को अपने पुत्र दीपु सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर मालपुरा से गांव जा रहे थे। इंदोली के पास अज्ञात वाहन ने बाइक

> ■ अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया

को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। सड़क हादसे में बाइक सवार दोनों पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गये।

हादसे के दौरान सड़क मार्ग से गुजर रहे लोगों ने अपने निजी वाहन से सड़क किनारे लावारिस पड़े दोनों घायलों को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिये भर्ति करवाया जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर सुमन सिंह को मृत घोषित किया व घायल पुत्र को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया। मृतक सुमन सिंह केकड़ी पंचायत समिति में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। मृतक का ईकलोता बेटा दीपु सिंह को गंभीर घायल अवस्था में जयपुर उपचार के लिये भेजा गया। सूचना मिलने पर लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने मालपुरा पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी मे पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर शव परिजनों को सौंपा।

पेट्रोल पंप कर्मचारी से लूट का प्रयास

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना क्षेत्र के गडा जसराजपुर में पेट्रोल पंप कार्मिक से लूटपाट का प्रयास हुआ। दो बदमाशों ने पेट्रोल पंप कार्मिक पर लोहे के सरिए से हमला कर घायल कर दिया। इसके बावजूद भी कार्मिक ने रुपयों से भरा बैग नहीं छोड़ा। इसके बाद बदमाश भाग गए। घायल पेट्रोल पंप कार्मिक को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। फिलहाल पुलिस बदमाशों को नामजद करते हुए तलाश में जुटी है।

चितरी थाना एएसआई ने बताया कि डायालाल पुत्र नारायणलाल चौबीसा निवासी उस्मानिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की वह गडा जसराजपुर में पेट्रोल पंप पर काम करता था। सोमवार शाम के समय वह पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डीजल भरने का काम कर रहा था। इस दौरान प्रभुलाल पुत्र कनकमल बामणिया और महिपाल पुत्र डायालाल बामणिया निवासी रातडिया फला दाहेला पेट्रोल पंप पर आए। दोनों बदमाशों ने आते ही उसके पास से रुपए छीनने का प्रयास किया। इस पर उसने विरोध किया। दूसरे बदमाश ने लोहे के सरिए से उस पर हमला कर दिया। जिससे वह घायल होकर नीचे गिर गया, लेकिन हिम्मत जुटाकर रुपयों से भरा बैग नहीं छोड़ा। लोगों के आते देख बदमाश मौके से भाग गए। घटना को लेकर पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना की सूचना पर चितरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल डायालाल को सागवाडा अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पीड़ित डायालाल ने रातडिया फला दाहेला निवासी प्रभुलाल और महिपाल के खिलाफ लूटपाट, सरिए से हमला करने का प्रकरण दर्ज करवाया है। पुलिस दोनों ही बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

RAJASTHAN RENEWABLE ENERGY CORPORATION LIMITED
(A Government of Rajasthan Undertaking), Office: E-166, Yudhister Marg, C-Scheme, Jaipur 302001,Rajasthan, Phone No. 0141-2225859, 2229341
E-mail : eccellrrec@gmail.com website : http://www.energy.rajasthan.gov.in/rrecl

(NIT No.TN-12/RREC/2024-25)

Tender are invited for supply of Induction Cooktops with one year of comprehensive warrantee in Rajasthan.
The complete bid document can be viewed and downloaded from e-procurement portal **https://eproc.rajasthan.gov.in/**, SPPP Portal **(https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/)** and RRECL website **(https://energy.rajasthan.gov.in/rrecl/).**
Bid Submission End Date : 02/12/2024
UBN No. : REC2425GLOB00025
NIB Code : REC2425A0026
Raj.Samwad/C/24/8317 Director (Technical)

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल जिला बारां (राज.)
क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1601 दिनांक :- 20/11/2024
ई-निविदा सूचना सं. 02/2024-25
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या :- न.पा.अ./2024/1588-1590 दिनांक 18.11.2024 के द्वारा कुल 9 कार्य की अनुमानित लागत 187.00 लाख रू. की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण **http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है। **UBN No. DLB2425SLOB12050, DLB2425SLOB12051, DLB2425SLOB12052, DLB2425SLOB12053, DLB2425SLOB12054, DLB2425SLOB12055, DLB2425SLOB12056, DLB2425SLOB12057, DLB2425SLOB12058**
राज.संवाद/सी/24/8273 अध्यक्ष नगर पालिका मांगरोल अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली
फोन नं. 02932-223222 ई मेल- uitpali@gmail.com
क्रमांक : न्या.पा./विज्ञापन/2024/2139 दिनांक : 25.11.2024
ई-निविदा सूचना संख्या-22/2024-25
नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00039

राज.संवाद/सी/24/8310 अधिशाषी अभियन्ता

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक :- एक 3/लेखा/24-25/3615 - 35 दिनांक :- 22/11/2024
ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 20/2024-25
कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की ओर से क्र.सं. 1 एवं 12 पर पर अंकित कार्यों हेतु अनुभवी संवेदकों/सेवा प्रदाता एजेन्सियों से तथा क्र.सं. 13 से 49 पर अंकित कार्यों हेतु के.डी.ए., कोटा में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं राजस्थान सरकार के किसी भी राजकीय/ अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागो के अन्तर्गत ''एए'' तथा ''ए'' क्लास संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 49 कार्यों (UBN No. : UIK2425WSOB00326 To UIK2425WSOB00374) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http://urban.rajasthan.gov.in/uitkota** पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/24/8276 अधिशाषी अभियन्ता

विश्व विख्यात सोनार किले की तीन माह पूर्व टूटी हुई दीवार के पत्थर गिरे, हादसा टला

भारी पत्थरों के गिरने से काम कर रहे दो मजदूरों ने भागकर जान बचाई

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन मानचित्र में विश्व प्रसिद्ध सोनार किले का दीदार करने सालाना लाखों देशी विदेशी सेलानी आ रहे हैं। केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को पर्यटकों के जरिये सालाना करोड़ों रूपये का राजस्व प्रदान हो रहा है। वर्ल्ड हेरिटेज की लिस्ट में शामिल जैसलमेर के 868 साल पुराने सोनार किले की दीवार से मंगलवार को 4 बड़े पत्थर अचानक सड़क पर आ गिरे। भारी पत्थरों के गिरने से वहां काम कर रहे दो मजदूरों ने भागकर जान बचाई। यही नहीं, पत्थरों के गिरने से बैरिकेड के साथ-साथ बीएसएनएल का पोल भी टूटकर सड़क पर गिर गया। अचानक हुए इस हादसे से लोग भयभीत हो गए। गनीमत रही कि इस उस दौरान कोई वाहन या व्यक्ति सड़क से नहीं गुजरा, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जैसलमेर सोनार दुर्ग की तीन माह पूर्व गिरी दीवार का मुख्य मार्ग, जहां पत्थर गिर गये।

घटना की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस की टीम और पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शहर कोतवाली की टीम ने तुरंत रास्ते को दोनों तरफ से बंद करवाया और वहां पुलिसकर्मी तैनात किए। वहीं, पुरातत्व विभाग की टीम ने टूटी दीवार के अन्य पत्थरों को सोनार फोर्ट से हटाकर सुरक्षित रखवाने का काम किया ताकि दूसरे पत्थर ना गिरे । अचानक हुए हादसे के बाद दुकानदारों ने भयभीत होकर अपनी दुकानें बंद कर दीं। लोगों में इस घटना को लेकर रोष है। दुकानदारों का कहना है कि 6 अगस्त को बारिश के दौरान रिहायसी इलाके से लगती यह दीवार टूट कर गिरी थी। उसके बाद केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत को जैसलमेर दौरे के समय मौका बताया फिर भी इसको बनाने का काम अभी तक शुरू नहीं किया गया। इस कारण हजारों राहगीर परेशान हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बरसात के दौरान 6 अगस्त को सोनार फोर्ट के छोटू लोहार हवेली के सामने आये मार्ग की तरफ वाली दीवार का एक हिस्सा टूट कर सड़क पर आ गिरा था। बारिश के दौरान सड़क पर ज्यादा चहल-पहल नहीं होने से कोई हादसा नहीं हुआ था। प्रशासन ने सड़क के दोनों तरफ बैरिकेड लगाकर एहतियातन बंद कर दिया था। उसके बाद थोड़ा रास्ता खोलकर वाहनों की आवाजाही शुरू की थी। लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी पुरातत्व विभाग ने इसकी मरम्मत का काम शुरू नहीं करवाया। मंगलवार को एक बार फिर दीवार से पत्थर गिर गए।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के मल्टी टास्क सुपरवाइजर देवेश सिंघल ने बताया कि अभी तक इसका टेंडर नहीं हो पाया है, इसलिए काम शुरू नहीं हो पाया है। मंगलवार को सड़क का एक बैरिकेड टूटा था तो उसको सही करवाने के लिए 2 मजदूर लगे थे। लेकिन, अचानक से ऊपर सोनार किला से 4 बड़े पत्थरों के गिरने से मजदूर मौके से भागे। पत्थर गिरने से एक बैरिकेड और बीएसएनएल का एक पोल टूट गया है। हमने उच्चाधिकारियों को सूचना दे दी है। प्रयास कर रहे हैं कि जल्द ही इसका टेंडर हो जाए तो इसका काम शुरू किया जाए।

शहर कोतवाली पुलिस के एसआई सज्जनसिंह ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद शिव रोड से घटना स्थल के मार्ग को बंद करवा कर एहतियातन दूसरे मार्ग से डायवर्ट किया गया है, ताकि कोई अन्य हादसा न हो जाए। मौके पर सिपाही भी तैनात कर दिए गए हैं, ताकि यहां से कोई व्यक्ति या वाहन न गुजरे।

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.
(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur
Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico
F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2024-25/Tender/ Date :- 20/11/2024

NIB No. 06/2024-25

Notice inviting online bids for Formulation of GIS based master plan and Updation of Existing Master Plans in GIS format &Creation of Urban Geodatabase for Towns under AMRUT 2.0

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO), a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in** from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-two envelope Bidding procedure for following work.

S. No.	Name of Work	Cost (In Lakh)	Bid Security (In Lakh)	Period of completion
1	Formulation of GIS based master plan for towns under AMRUT 2.0			
a.	Package – 01	351.00	7.02	12 Months
b.	Package - 02	398.00	7.96	
2	Updation of Existing Master Plans in GIS format and Creation of Urban Geodatabase for Towns under AMRUT 2.0			
a.	Package – 01	416.00	8.32	
b.	Package - 02	453.00	9.06	

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government **sppp.rajasthan.gov.in** and **eproc.rajasthan.gov.in** from date 25.11.2024 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 30.12.2024 up to 1500 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.
UBN No. - RDP2425SLOB00093, RDP2425SLOB00094, RDP2425SLOB00095, RDP2425SLOB00096
Executive Director
Raj.Samwad/C/24/8288 RUDSICO, Jaipur